Regarding water scarcity problem

श्री राजकुमार चाहर **(**फतेहपुर सीकरी**) :** माननीय सभापति महोदया, मैं आपका ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे पर दिलाना चाहता हूं । आगरा जिले में फतेहपुर सीकरी लोक सभा क्षेत्र है, जहां से मैं चुनकर आता हूं । वहां पर पांच नदियां हैं- चंबल, यमुना, उटंगन, खारी और कीवाड़ नदी । हमारी नदियों में, जिनमें उटंगन, कीवाड़ और खारी नदी है, इनमें राजस्थान से जल आता है । हमारी तीनों नदियां सूखी पड़ी हुई हैं । किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है । उन नदियों में पानी नहीं है । वहां जल स्तर भी नीचे चला गया है । वहीं चंबल नदी है । राजस्थान और मध्य प्रदेश से चंबल नदी आती है । चंबल नदी में भी पानी बहुत कम हो गया है । हमारे यहां चंबल-बटेश्वर का क्षेत्र एक पर्यटन क्षेत्र कहलाता है । चंबल नदी में भी पानी ज्यादा आए । हमारी जो उटंगन, खारी और कीवाड़ नदी है, राजस्थान में जो बांध बने हुए हैं । राजस्थान के बांध से उन नदियों में पानी छोड़ा जाए ।? (व्यवधान)

मैडम, मुझे पूरी बात कर लेने दीजिए । इतने कम समय में मैं अपनी बात ही नहीं रख पाऊंगा । मुझे एक मिनट का समय दीजिए । मेरा आपसे निवेदन है कि राजस्थान में नदियों पर जो बांध बने हुए हैं, नियमानुसार बंटवारे के हिसाब से हमारे यहां पानी आना चाहिए । राजस्थान के बांधों से हमारी नदियों के लिए पानी छोड़ा जाए । यमुना नदी को और शुद्ध किया जाए । उसका पानी पेयजल के योग्य बनाया जाए । चंबल नदी में भी अधिक पानी छोड़ा जाए ।

महोदया, आपके माध्यम से मेरी सरकार से यही विनती है ।